AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि: पहली बार स्नातक चौथे साल की होगी पढ़ाई

नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद पहला बैच, तैयारियां पूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद लविवि का पहला बैच शैक्षिक सत्र 2024-25 से स्नातक चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लेगा। चार वर्षीय स्नातक में पढ़ाई को लेकर विवि के स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

विवि में सत्र 2021-22 में नई शिक्षा नीति लागू है। इसमें स्नातक की अवधि तीन वर्ष से बढ़ाकर चार वर्ष कर दी गई। हालांकि विद्यार्थियों को मल्टीपल एंट्री-एग्जिट की सुविधा है। इससे अगर विद्यार्थी चाहें तो तीन साल में भी पढ़ाई छोड़ सकते हैं, पर उन्हें स्नातक की साधारण डिग्री मिलेगी।

दाखिले के लिए 7.5 सीजीपीए की होगी अनिवार्यता

चार वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों को यूजी विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी, लेकिन चौथे साल में उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा जिनके अंक 7.5 सीजीपीए (क्यूमिलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज) होंगे। इससे कम अंक वालों का चौथे साल में प्रवेश नहीं होगा। उन्हें स्नातक की साधारण डिग्री दे दी जाएगी।

विद्यार्थी पढ़ेंगे सावरकर व ज्योतिबा फुले का चिंतन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय महापुरुषों के अध्ययन के क्रम में वीर सावरकर और ज्योतिबाफुले के चिंतन और दर्शन से भी विद्यार्थियों को परिचित करवाएगा। राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रम में इन दोनों शख्सियतों को शामिल किया गया है। बोर्ड ऑफ स्टडीज ने इसे मंजूरी दे दी है। राजनीति विज्ञान के छठे सेमेस्टर में इंडियन पॉलिटिकल थॉट्स पेपर के तहत इन महापुरुषों के बारे में पढ़ाया जाएगा। विद्यार्थी इसमें अब तक मनु कौटिल्य, भीष्म और शुक्र, पंडित नेहरू, महात्मा गांधी, जय प्रकाश नारायण जैसे महापुरुषों की विचारधारा पढ़ रहे थे। विभागाध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि ज्योतिबा फुले ने महिलाओं की शिक्षा को लेकर बहुत संघर्ष किया है। उन्हीं के प्रयासों की देन है कि महिलाएं आज सभी क्षेत्रों में अपने हुनर को साबित कर रही हैं। ऐसे ही सावरकर का राजनीतिक दर्शन राष्ट्रवाद की विचारधारा को प्रेरणा देता है। इनके विचारों को पढ़ने से विद्यार्थियों की समझ और बेहतर होगी। (संवाद)

सीधे पीएचडी में पा सकेंगे दाखिला

- विवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि चार साल का स्नातक करने के बाद विद्यार्थियों को कई शैक्षिक लाभ भी मिलेंगे। उसे पीजी करने के लिए मात्र एक वर्ष ही देना पड़ेगा। चार वर्षीय यूजी की डिग्री वाले विद्यार्थी चाहें तो सीधे पीएचडी में प्रवेश ले सकेंगे इसके लिए उन्हें कोई पीजी नहीं करना होगा।

आठवें सेमेस्टर में लिखना होगा शोध पत्र

- प्रो. गीतांजलि ने बताया कि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से शोध पत्र लेखन (डिसर्टेशन) करना होगा। यह कार्य उसे आठवें सेमेस्टर में मिलेगा। यह एक तरह की लघु थीसिस होगी। इसमें विद्यार्थी मनपसंद विषय पर शोध कार्य करेगा।

ऑनलाइन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दो दिन और मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इसी महीने शुरू हुए बीकॉम और एमकॉम ऑनलाइन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दो दिन और मौका है। प्रवेश के लिए पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च है। अभ्यर्थी दो अप्रैल तक निर्धारित शुल्क जमा कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

दो अप्रैल तक जमा होंगे शुल्क, 31 तक कराना होगा पंजीकरण

नैक से ए डबल प्लस ग्रेड प्राप्त करने और यूजीसी की श्रेणी वन में शामिल होने के बाद लविवि को ऑनलाइन पाठ्यक्रम चलाने की पात्रता मिल चुकी है। इससे विवि में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र की शुरुआत हुई है। इसके जरिये तीन वर्षीय बीकॉम और दो वर्षीय एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन चलाए जाएंगे। बीकॉम की प्रति सेमेस्टर 5000 और एमकॉम की प्रति सेमेस्टर 8000 हजार रुपये फीस तय की गई है। प्रवेश के लिए पंजीकरण शुल्क 250 रुपये है। विवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र-छात्राओं को हर हाल में 31 मार्च तक पंजीकरण कराना होगा। रजिस्ट्रेशन फीस जमा होने पर ही विद्यार्थी को 2 अप्रैल तक शिक्षा शुल्क जमा कर सकेंगे।

आज जारी हो सकते हैं यूजी के आवेदन फॉर्म

- लखनऊ विश्वविद्यालय यूजी (स्नातक) में नए सत्र में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के लिए शनिवार को आवेदन फॉर्म जारी कर सकता है। एलयूआरएन पोर्टल के भी खोले जाने की उम्मीद है। पोर्टल खुलने से स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन का रास्ता भी साफ हो जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन ही आवेदन शुल्क जमा करना होगा। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना भी अनिवार्य होगा।

23 देशों के लेखा परीक्षक करेंगे लविवि का दौरा

- इंटरनेशनल सेंटर फॉर इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) की ओर से होने वाले 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 23 देशों लेखा परीक्षक लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। इसमें 34 लेखा परीक्षकों की टीम शामिल होगी। प्रवक्ता व प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि दौरे के बाद टीम को विवि के ऐतिहासिक भवनों का भ्रमण भी कराया जाएगा।

NBT PAGE 5

'सावरकर' और 'फुले' भी पढ़ेंगे

फैकल्टी बोर्ड की स्वीकृति के बाद राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रम में होंगे शामिल

लखनऊ यूनिवर्सिटी

- राजनीति विज्ञान विभाग के छठे सेमेस्टर में 'इंडियन पॉलिटिकल थॉट्स पेपर' में किया जाएगा शामिल

ऐडमिशन अलर्ट

एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू में राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रम में अब स्टूडेंट्स को स्वतंत्रता सेनानी व राजनेता 'वीर सावरकर' और समाज सुधारक 'ज्योतिबा फुले' के बारे में पढ़ाया जाएगा। इन दोनों महापुरुषों के चिंतन व दर्शन को भी राजनीति विज्ञान विभाग के पाठ्यक्रम शामिल किया गया है। इसकी पाठ्य सामग्री भी लगभग बनकर तैयार हो गई है।

राजनीति विज्ञान विभाग से इसका प्रस्ताव बोर्ड ऑफ स्टडीज में रखा गया था। जहां से इसे स्वीकृति मिल चुकी है। अब इसे 11 अप्रैल को फैकल्टी बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा। हरी झंडी मिलने के बाद दोनों ही शख्सियतों को राजनीति विज्ञान विभाग के छठे सेमेस्टर में 'इंडियन पॉलिटिकल थाट्स पेपर' में शामिल किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि ज्योतिबा फुले ने महिलाओं की शिक्षा को लेकर बहुत संघर्ष किया है। उन्हीं के परिश्रम और प्रयासों की देन हैं कि आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में अपने हुनर को साबित कर रही हैं। इसी तरह सावरकर का राजनीतिक दर्शन राष्ट्रवाद की विचारधारा को प्रेरणा देता है। इनके विचारों के अध्ययन से स्टूडेंट्स की समझ बेहतर होगी।

ऑनलाइन बीकॉम-एमकॉम का दो तक जमा होगा शुल्क

रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च तक

एनबीटी संवाददाता, लखनऊः एलयू में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र के तहत तीन वर्षीय बीकॉम और दो वर्षीय एमकॉम पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 31 मार्च तक पंजीकरण कराना होगा। वहीं इन कोर्स में दाखिला लेने वालों के लिए शिक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 2 अप्रैल है। बीकॉम की प्रति सेमेस्टर फीस पांच हजार और एमकॉम की 8 हजार रुपये फीस है। रजिस्ट्रेशन शुल्क 250 रुपये है। एलयू प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 2 अप्रैल के बाद यूजीसी के नियमानुसार प्रवेश बंद कर दिए जाएंगे।

NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात

ऑनलाइन कोर्स क्यों खास?

ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम में दाखिले के लिए न तो कोई सीट लिमिट है और न ही रिजर्वेशन। देश के किसी भी हिस्से से अभ्यर्थी इन कोर्सों के लिए आवेदन कर सकता है। दोनों ही कोर्सों में अनलिमिटेड प्रवेश लिए जाएंगे। हालांकि न्यूनतम अर्हता पूरी करनी होगी। रेग्युलर बीकॉम और एमकॉम के लिए जो अर्हता है, वही ऑनलाइन में भी है। स्टूटेंड्स की संख्या अधिक होने पर बैच बना दिए जाएंगे। इन दोनों ही कोर्सों में परीक्षा ऑफलाइन मोड में होगी।

कल खुलेगा LURN पोर्टल

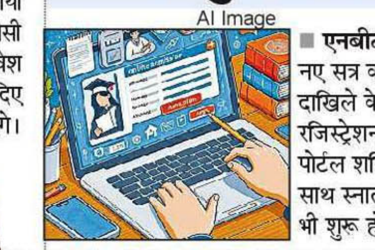

AI Image

एनबीटी संवाददाता, लखनऊः एलयू में नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। दाखिले के लिए एलयूआरएन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी है। ऐसे में एलयूआरएन पोर्टल शनिवार को खुल जाएगा। इसके साथ स्नातक कोर्सों में प्रवेश के आवेदन भी शुरू होने के आसार हैं।

PIONEER PAGE 3

23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम करेगी एलयू का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) द्वारा प्रदर्शन ऑडिट पर आयोजित किए जा रहे 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेगी।

आईसीआईएसए, एसएआई (सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशन) भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है, जो मुख्य रूप से आईएस (इंफर्मेशन सिस्टम) ऑडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में ऑडिटरों की क्षमता निर्माण में काम करता है। आईसीआईएसए ऑडिट के मानक को बढ़ाने और सार्वजनिक ऑडिट संस्थानों की प्रभावशीलता बढ़ाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पित है और इसने 149 विभिन्न देशों के 5000 से अधिक ऑडिटरों को प्रशिक्षित किया है।

23 देशों के 34 लेखा परीक्षक विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जा रही शैक्षणिक उत्कृष्टता की यात्रा और विश्वविद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति का मार्ग प्रशस्त करने वाली विभिन्न पहलों को समझने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिनके कारण वर्तमान स्थिति बनी है। प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण भी शामिल होगा। प्रजेंटेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ विश्वविद्यालय के अधिकारियों की बातचीत होगी। इसके बाद प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग और पर्यटन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव टीम को ऐतिहासिक भवनों का दौरा करवाएंगे और उसके बारे में जानकारी देंगे। इसके बाद टीम मानव विज्ञान संग्रहालय, टैगोर पुस्तकालय संग्रहालय, इसके चित्रों, मूर्तियों और दुर्लभ पांडुलिपियों के साथ, भूविज्ञान संग्रहालय और प्राणीशास्त्र विभाग में प्रोफेसर एस सी बाँघ संग्रहालय का दौरा करेगी। इस यात्रा के दौरान, विश्वविद्यालय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करेगा और प्रदर्शन ऑडिट की अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं के बारे में भी सीखेगा।

10 छात्रों का विप्रो कंपनी मे हुआ प्लेसमेंट

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट विप्रो कंपनी मे हुआ है। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि विप्रो कंपनी के तृतीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव मे बीबीए के 4 छात्रों (वत्सला श्रीवास्तव, आलोक कुमार ओझा, स्टालिन विक्टर, आकाश गुप्ता) तथा बी.कॉम के 3 छात्रों (सिद्धांत मिश्रा, शाश्वत रस्तोगी एवं अंजलि भारद्वाज) एवं बीसीए के 3 छात्रों (अंशिका थापा, विकास कुमार, विकेश मौर्य) का चयन 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। तृतीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के बाद विप्रो मे विश्वविद्यालय के कुल चयनित छात्रों की संख्या 25 हो गयी है। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विप्रो कंपनी मे जॉब के लिए, चतुर्थ चरण की फिजिकल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन अप्रैल के द्वितीय सप्ताह मे लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय मे किया जायेगा।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइन कोर्स में एडमिशन के लिए समय सीमा बढ़ाई

ऑनलाइन कोर्स में 31 तक आवेदन

MISSION ADMISSION

LUCKNOW (28 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय ने आनलाइन कोर्सों में एडमिशन के लिए समय सीमा दो दिन बढ़ा दी है. अब जो अभ्यर्थी 31 मार्च तक आनलाइन बीकाम और एमकाम में रजिस्ट्रेशन फीस जमा करेंगे, वे दो अप्रैल तक शिक्षा शुल्क जमाकर एडमिशन ले सकते हैं. इसके बाद पोर्टल बंद हो जाएगा.

15 तक यूजीसी को भेजा जाएगा विवरण

आनलाइन कोर्सों में जितने स्टूडेंट्स एडमिशन लेंगे, उन सभी के डाक्यूमेंट्स का सत्यापन दो अप्रैल के बाद शुरू होगा. इसकी प्रक्रिया क्या होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन 15 अप्रैल तक सत्यापन करके प्रवेशित सभी स्टूडेंट्स का ब्योरा यूजीसी को भेजना होगा.

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने आवेदन की डेट दो दिन बढ़ाकर 31 मार्च की

पहली बार ऑनलाइन कोर्स

एलयू ने पहली बार आनलाइन कोर्स की शुरुआत फरवरी से की है. इनकी डिग्री की मान्यता विश्वविद्यालय की रेगुलर डिग्री के समकक्ष है. सत्र 2023-24 के तहत बीकाम व एमकाम प्रथम सेमेस्टर में एडमिशन प्रक्रिया जारी है. अभी तक 29 मार्च तक रजिस्ट्रेशन और 31 मार्च तक एडमिशन का मौका था. अब 31 मार्च तक रजिस्ट्रेशन फीस और दो अप्रैल तक शिक्षा शुल्क जमा करने की समय सीमा बढ़ा दी गई है.

आएगी 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम

होगी वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा आदि की प्रस्तुति

LUCKNOW (28 MARCH): इंटरनेशनल सेंटर फार इंफार्मेशन सिस्टम्स एंड आडिट की ओर से आयोजित किए जा रहे 159वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम एक अप्रैल को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेगी. ये सभी लेखा परीक्षक विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जा रही शैक्षणिक उत्कृष्टता की यात्रा और एलयू की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति का मार्ग प्रशस्त करने वाले विभिन्न पहलुओं को समझेंगे.

प्रस्तुति दी जाएगी

प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आईसीआईएसए भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो मुख्य रूप से इंफार्मेशन सिस्टम आडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में आडिटरों की क्षमता निर्माण में काम करता है. एलयू में यात्रा के दौरान, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जाएगी. भ्रमण के दौरान प्रस्तुतीकरण में विश्वविद्यालय की ओर से की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण शामिल होगा.

ऐतिहासिक भवन देखेगी टीम

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग और पर्यटन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव टीम को ऐतिहासिक भवनों का दौरा कराते हुए जानकारी देंगे. इसके बाद टीम मानव विज्ञान संग्रहालय, टैगोर पुस्तकालय संग्रहालय, इसके चित्रों, मूर्तियों और दुर्लभ पांडुलिपियों के साथ, भूविज्ञान संग्रहालय और प्राणीशास्त्र विभाग में प्रोफेसर एससी बाघ संग्रहालय का दौरा करेगी.

HINDUSTAN PAGE 6

23 देशों के लेखा परीक्षक भवन, उपलब्धियां जानेंगे

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में एक अप्रैल को 23 देशों के लेखा परीक्षकों की टीम भ्रमण को पहुंचेगी। टीम के सामने एलयू की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वित्तीय, प्रशासनिक और परीक्षा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन होगा।

आईसीआईएसए की ओर से प्रदर्शन ऑडिट पर 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम एलयू का दौरा करेगी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि टीम के सामने एलयू की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग और पर्यटन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव की ओर से टीम को ऐतिहासिक भवनों का दौरा करवाया जाएगा।

सावरकर, फुले का चिंतन पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ। एलयू में वीर सावरकर और ज्योतिबाफुले के चिंतन और दर्शन के बारे में भी पढ़ाया जाएगा। राजनीति विज्ञान विभाग के पाठ्यक्रम में इन दोनों शख्सियतों को शामिल किया गया है। जिसे बोर्ड ऑफ स्टडीज से पास कर दिया गया है। 11 अप्रैल को प्रस्तावित बैठक में मंजूरी मिलने की उम्मीद है। राजनीति विज्ञान विभाग के छठे सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना ने यह जानकारी दी।

10 छात्रों को तीन लाख सालाना पैकेज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। विद्यार्थियों को विप्रो कंपनी में चयनित किया गया है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि विप्रो कंपनी के तृतीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीबीए के चार छात्रों वत्सला श्रीवास्तव, आलोक कुमार ओझा, स्टालिन विक्टर, आकाश गुप्ता और बीकॉम के तीन छात्रों, बीसीए के तीन छात्रों का चयन हुआ।

JAGRAN CITY PAGE III

हड्डी और दांत प्रत्यारोपण के लिए बनाया पारदर्शी ग्लास सिरेमिक

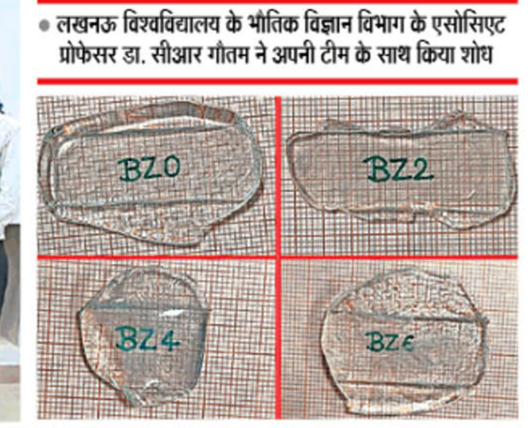

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम ने अपनी टीम के साथ किया शोध

लवि के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से हड्डी और दांत प्रत्यारोपण के लिए पारदर्शी ग्लास सिरेमिक बनाने वाली टीम में शामिल बाएं से दाएं रजत कुमार मिश्रा, एजाज हुसैन, सर्वेश कुमार अविनाशी, डा. सीआर गौतम, जरीन फातिमा, श्वेता एवं बनाया गया पारदर्शी ग्लास सिरेमिक • सौजन्य : विभाग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम ने अपनी टीम के साथ हड्डी और दांत के प्रत्यारोपण के लिए पारदर्शी ग्लास सिरेमिक पदार्थ तैयार किया है। सामान्य तौर पर ग्लास सिरेमिक एक अपारदर्शी पदार्थ होता है, लेकिन शोध टीम ने पारदर्शी ग्लास सिरेमिक बनाया है। दांत और हड्डी की मरम्मत के लिए यह महत्वपूर्ण है। हाल ही यह शोध पत्र को प्रतिष्ठित जर्नल सेरेमिक्स इंटरनेशनल में प्रकाशित हुआ है।

डा. गौतम बताते हैं कि आक्साइड आधारित बायोएक्टिव पारदर्शी ग्लास सिरेमिक का निर्माणः जैवचिकित्सा (बायोमेडिकल) अनुप्रयोगों के लिए भौतिक, संरचनात्मक और इन विट्रो सेल व्यवहार्यता अंतर्दृष्टि पर शोध कार्य किया गया। शोधार्थी श्वेता, रजत कुमार मिश्रा, सर्वेश कुमार अविनाशी, सविता कुमारी और डा. जायरीन फातिमा ने पारदर्शी ग्लास सिरेमिक को तैयार करके एक अच्छा और मजबूत कृत्रिम प्रत्यारोपण का सृजन किया। इसके लिए पारंपरिक तकनीक (पिघल शमन) का उपयोग किया गया। शोध का मुख्य उद्देश्य सस्ती जैव संगत हड्डी और दांत प्रत्यारोपण के लिए पारदर्शी ग्लास सिरेमिक का सृजन करना है, जो मरीजों को किफायती कीमत में उपलब्ध हो सके।

किए गए दो जैविक परीक्षण : पारदर्शी ग्लास सेरेमिक की जैव अनुकूलता के परीक्षण के लिए दो जैविक परीक्षण किए गए। पहला ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर कोशिकाओं पर और दूसरा ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर (ट्रिपैन स्टेनिंग)। पारदर्शी ग्लास सेरेमिक की विशिष्ट सांद्रता के साथ जब इलाज किया गया तो लार्वा आंत में कोई डीएनए क्षति और आरओएस का उत्पादन नहीं हुआ। इससे स्पष्ट है कि यह पदार्थ जैव-संगत है। इस शोध कार्य में जूलाजी की प्रो. मोनिशा बनर्जी, एनआइटी राउरकेला से डा. मोनालिसा मिश्रा, बीएचयू से डा. मानसी घोष व उनके शोधार्थियों प्रियतमा, सौरभ, शमा, विजय, लक्ष्मी और प्रिंस ने भी सहयोग किया। पारदर्शी ग्लास सिरेमिक बायोमेडिकल क्षेत्रों और अन्य अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण हैं।

10 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट विप्रो कंपनी में हुआ है। प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि इस कंपनी में अब तक 25 छात्र-छात्राओं का चयन हो चुका है। (जासं)

एक को लवि आएगी टीम

लखनऊ : इंटरनेशनल सेंटर फार इंफार्मेशन सिस्टम्स एंड आडिट (आइसीआइएसए) की ओर से आयोजित किए जा रहे 159वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम एक अप्रैल को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेगी। ये सभी लेखा परीक्षक विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जा रही शैक्षणिक उत्कृष्टता की यात्रा और लवि की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति का मार्ग प्रशस्त करने वाले विभिन्न पहलुओं को समझेंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

एबीसी आईडी के सहारे होंगी लविवि की परीक्षाएं

विश्वविद्यालय ने दो लाख से अधिक छात्रों की आईडी की तैयार, परीक्षाओं में इसे किया जाएगा अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

» आईडी के सहारे छात्रों के रिकॉर्ड रहेंगे सुरक्षित, सात वर्ष तक होंगे प्रभावी

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एबीसी आईडी की अनिवार्यता कर दी गई है। छात्रों की परीक्षाओं में इसे आधार बनाया जाएगा। विवि प्रशासन अब तक दो लाख से अधिक छात्रों की आईडी तैयार कर चुका है।

लविवि के प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव बताते हैं कि मैनुअल की अपेक्षा ऑनलाइन डॉटा रिकॉर्ड में अधिक सुरक्षित रहते हैं। इसी को लेकर विवि के सभी छात्रों की एबीसी आईडी तैयार की जा रही है। अब तक करीब दो लाख छात्रों की एबीसी आईडी तैयार कर ली गई है। अप्रैल के मध्य में आंकड़ा चार लाख पार कर जाएगा। आगामी परीक्षाओं में इसको अनिवार्य किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति को बेहतर बनाने में ये व्यवस्था सहयोगी बनेगी। बताते हैं कि इसके सहारे छात्रों के क्रेडिट्स सुरक्षित रहेंगे, जो सात वर्ष तक प्रभावी होंगे। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और रिसर्च संग ग्रेजुएशन की डिग्री भी इसी के सहारे तैयार डाटा में सुरक्षित रहेगी। एबीसी आईडी में स्टोर क्रेडिट की अधिकतम आयु सात साल रखी गई है।

परीक्षा फार्म भरने के दौरान आईडी अनिवार्य : छात्रों के लिए सम सेमेस्टर परीक्षा- 2024 से परीक्षा फॉर्म भरने के दौरान एबीसी आईडी को अनिवार्य कर दिया गया है। इसी के माध्यम से हर छात्र का वर्चुअल डाटा विवि के रिकॉर्ड में सुरक्षित रहेगा। प्रवेश लेने वाले चौथे और छठे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की एबीसी आईडी अपने अंतिम रूप में है।

दोबारा पढ़ाई करना होगा आसान

मल्टीपल एण्ट्री और एक्जिट फार्मूले के सहारे एबीसी आईडी छात्रों को सुविधाएं देगा। छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने का मौका ये व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। पढ़ाई छोड़ने के बाद यदि छात्रों को दोबारा अध्ययन करना है, तो रिकॉर्ड व्यवस्था दोबारा अध्ययन को भी चालू करने में मदद देगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब लीजिए ऑनलाइन क्लास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

» पाठ्यक्रमों में पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मार्च

अमृत विचार : 103 साल पुराने लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अध्ययन कार्य आरंभ होने जा रहा है। इसमें स्नातक और परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। पाठ्यक्रमों में पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मार्च है।

लखनऊ विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव बताते हैं कि ऑनलाइन एजुकेशन की आरंभ बीकॉम और एमकॉम के पाठ्यक्रमों को समायोजित करते हुए किया जा रहा है। दोनों पाठ्यक्रमों को लेकर विवि की वेबसाइट पर पंजीकरण और सेमेस्टर फीस की जानकारियां उपलब्ध करा दी गई हैं। बीकॉम के लिए पंजीकरण फीस 250 है। इसमें सेमेस्टर फीस 5 हजार निर्धारित की गई है। एमकॉम में 250 फीस और 8 हजार सेमेस्टर फीस तय है। बताते हैं कि ऑनलाइन सुविधाएं प्राप्त करने के लिए 31 मार्च तक पंजीकरण कराने वाले छात्र, 2 अप्रैल तक सेमेस्टर फीस जमा कर सकते हैं। इसके बाद यूजीसी की गाइड लाइन के तहत प्रवेश प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी।

बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम 2024-25 में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट को लेकर आवेदन किए जा रहे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 26 से बढ़कर 31 मार्च हो गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की वेबसाइट से आवेदन किये जाएंगे। इसी क्रम में बीबीएयू में स्नातक के विभिन्न कोर्स में 2200 सीटों पर प्रवेश होना है। इसमें डिप्लोमा इन फार्मेसी, बीए इन फिल्म, थियेटर और मीडिया स्टडीज में भी सीयूईटी से प्रवेश होंगे। इसी प्रकार एकेटीयू में बीटेक के अलावा स्नातक के अन्य कई पाठ्यक्रमों में सीयूएटी की मेरिट से प्रवेश किये जाएंगे।

नैक के बाद यूजीसी से मिली थी अनुमति

लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था का आरंभ इसी वर्ष फरवरी माह में किया था। नैक ए प्लस प्लस रेटिंग और कैटेगरी एक का दर्जा प्राप्त होने के बाद ऑनलाइन शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो ने अनुमोदन दिया था। इनकी मान्यता विवि की रेगुलर उपाधियों के समकक्ष होगी।

लखनऊ विवि के 10 छात्रों का प्लेसमेंट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट विप्रो कंपनी में हुआ। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि विप्रो कंपनी के तृतीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीबीए के चार छात्रों (वत्सला श्रीवास्तव, आलोक कुमार ओझा, स्टालिन विक्टर, आकाश गुप्ता) तथा बीकॉम के तीन छात्रों (सिद्धांत मिश्रा, शाश्वत रस्तोगी एवं अंजलि भारद्वाज) एवं बीसीए के तीन छात्र (अंशिका थापा, विकास कुमार, विकेश मौर्य) का चयन प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

विदेशी टीम करेगी लविवि का ऑडिट

अमृत विचार, लखनऊ : इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) द्वारा प्रदर्शन ऑडिट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेगी। इस यात्रा के दौरान विवि की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिनके कारण वर्तमान स्थिति बनी है। लविवि में आयोजित प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण भी शामिल होगा। कार्यक्रम के दौरान विवि परिसर में बीते दिनों डोगरा विधि से धातु ढलाई पर छात्रों द्वारा तैयार की गई मूर्तियों और कलाकृतियों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

TOI PAGE 3

Infra boost to LU with lecture-theatre bldg

Funds From PM-USHA To Be Used

Mohita.Tewari@timesgroup.com

BUILDING HIGHLIGHTS

- 5-storey building to be built over 30,000 square feet area
- 25 conference rooms; each with space for 100 people
- Hi-end audio-visual learning facilities
- Will host entrance exams, conclaves, seminars etc

Lucknow: Buoyed by Rs 100 crore grant under PM-USHA scheme, Lucknow University will invest a major part of it for the infrastructure upgrade. Among them would be the construction of a five-storey lecture-theatre building with an advanced conference room.

To be spread over 30,000 square feet area, the lecture-theatre building will be raised after demolishing the dilapidated residences for faculty on the campus.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said the site has been selected owing to its easy accessibility from all four sides.

"One gate opens towards the university's sports ground, another towards the cashier's office, one towards the hostels, and the other towards other university facilities," he said.

Prof Rai said the lecture-theatre building will comprise 25 rooms, each with capacity to seat 100 people.

The rooms will serve various purposes, including conducting classes, hosting conclave meetings, entrance examinations, interactive learning sessions and discussions.

Equipped with state-of-the-art audio-visual facilities, spacious conference rooms, lifts, and staff rooms, the building will elevate the learning experience and facilitate large group activities such as seminars by experts and academic guests.

Dean academics and LU coordinator for NEP, Prof Geetanjali Mishra, said, "Student strength in the university has increased over the years, and so has the course diversity. Hence, to meet this growing need, we required a place where lectures and all academics-related interactions and discussions could be held."

With the launch of the National Education Policy and the introduction of four-year undergraduate courses, vocational, and co-curricular programmes, more lecture rooms are needed.

Centralising lectures in one location will not only optimise student time but also facilitate interdisciplinary studies, thereby fostering a conducive learning environment, she added.

Auditors from 23 nations to visit LU, take cue from its feat

Times News Network

Lucknow: A team of 34 auditors from 23 countries will visit Lucknow University on April 1 to learn about the university's academic achievements, including its A++ grade from the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) evaluation.

This visit is part of the International Centre for Information Systems and Audit's (iCISA) training programme on performance audits. During their one-day visit, the team will study the university's journey towards academic excellence for their research purposes.

"iCISA is dedicated to raising the standards of auditing and increasing the effectiveness of public audit institutions," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. "They have trained over 5,000 auditors from 149 countries. The 34 auditors from 23 countries will visit LU to understand the university's pursuit of academic excellence and the various initiatives it has undertaken." Srivastava added that a presentation will be made during the visit to showcase the university's achievements and the processes that led to its current standing. The presentation will also detail the university's financial, administrative, and auditing processes.